निगम के वर्तमान कार्यक्रम :-

- निगम के पंजीकृत बीज उत्पादकों के माध्यम से अन्तःग्रहित गेंहूँ 447115.00 कुं0, चना 17392.00 कुं, मटर 1267.00 कुं0 एवं मसूर 5351.00 कुं0 का बीज विधायन संयंत्रों पर विधायन के उपरान्त प्रमाणित/आधारित बीज तैयार कराया जा रहा है।
- खरीफ 2021 में विभिन्न फसल/प्रजातियों के कुल 2217.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बीज उत्पादन कार्यक्रम ओयाजित कराया जा रहा है।

निगम की भावी योजनाएं :-

- प्रदेश के कृषकों को निगम उत्पादित एवं वाह्य संस्थओं से क्रय कर 4,07,500 कुं0 गेंहूँ तथा 14784 कुं0 चना, 8000 कुं0 मटर एवं 5500 कुं0 मसूर कृषि विभाग, युपी एग्रो एवं उ0प्र0 सहकारित विभाग के माध्यम से प्रदेश के कृषकों को उपलब्ध कराया जाना।
- निगम द्वारा पंजीकृत बीज उत्पादकों के माध्यम से सब्जी बीजों के उत्पादन/विपणन के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।
- निगम द्वारा पंजीकृत बीज उत्पादकों के माध्यम से चारा बीजों के उत्पादन/विपणन के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।
- टीशू कल्चर के माध्यम से विभिन्न फसलों जैसे केला, बांस, गन्ना आदि की पौध तैयार कर प्रदेश के कृषकों को उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।
- निगम के उपलब्ध अतिरिक्त गोदामों को अनुबन्ध के आधार पर सहकारी/अन्य संस्थाओं को उपलब्ध कराकर आय बढ़ाना प्रस्तावित है।

- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2018-19 के अन्तर्गत निगम के लोधा, अलीगढ़ में बीज विधायन संयंत्र की स्थापना से सम्बन्धित संयंत्र भवन, 2000 एम0टी0 क्षमता के गोदाम, कार्यालय इत्यादि का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2019-20 के अन्तर्गत निगम के चरगवाँ, गोरखपुर संयंत्र भवन एवं कार्यालय का निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराया जा रहा है।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2020-21 के अन्तर्गत निगम के इटावा संयंत्र परिसर में 1000 एम0टी0 क्षमता के गोदाम का निर्माण कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि0 द्वारा माह जुलाई 2021 में प्रारम्भ करा दिया जायेगा।
- लोधा, अलीगढ़ में 40,000 कुं0 वार्षिक विधायन क्षमता के बीज विधायन संयंत्र की स्थापना वर्ष 2022 में किया जाना प्रस्तावित है।